हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून , 2011

एम.एच.डी.-4 : नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *पहला प्रश्न **अनिवार्य** है। शेष **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. ***किन्हीं तीन*** को संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 3x12=36

(क) भारत समग्र विश्व का है, और सम्पूर्ण वसुन्धरा इसके प्रेम-पाश में आबद्ध है। अनादि काल से ज्ञान की, मानवता की ज्योति वह विकीर्ण कर रहा है। वंसुधरा का हृदय-भारत- किस मूर्ख को प्यारा नहीं ? तुम देखते नहीं कि विश्व का सबसे ऊँचा शृंग इसके सिरहाने, और गंभीर तथा विशाल समुद्र इसके चरणों के नीचे है? एक-से-एक सुन्दर दृश्य प्रकृति ने अपने इस घर में चित्रित कर रखा है। भारत के कल्याण के लिए मेरा सर्वस्व अर्पित है।

(ख) मैं ने कहा था, यह नाटक भी मेरी तरह अनिश्चित है। उसका कारण भी यही है कि मैं इसमें हूँ और मेरे होने से ही सब कुछ इसमें निर्धारित या अनिर्धारित है। एक विशेष परिवार उसकी विशेष परिस्थितियाँ! परिवार दूसरा होने से परिस्थितियाँ बदल जाती, मैं वही रहता। इसी तरह सब कुछ निर्धारित करता । इस परिवार की स्त्री के स्थान पर कोई दूसरी स्त्री किसी दूसरी तरह से मुझे झेलती या वह स्त्री मेरी भूमिका ले लेती और मैं उसकी भूमिका लेकर उसे झेलता। नाटक अंत तक फिर भी इतना ही कठिन होता कि इसमें मुख्य भूमिका किसकी थी – मेरी, उस स्त्री की, परिस्थितियों की, या तीनों के बीच से उठते कुछ सवालों की।

(ग) धर्म, नीति, मर्यादा, यह सब हैं केवल आडम्बर मात्र, मैंने यह बार-बार देखा था। निर्णय के क्षण में विवेक और मर्यादा व्यर्थ सिद्ध होते आए हैं सदा हम सब के मन में कहीं एक अंध गह्वर है।

बर्बर पशु, अंधा पशु वास वहीं करता है, स्वामी जो हमारे विवेक का, नैतिकता, मर्यादा, अनासक्ति, कृष्णार्पण यह सब हैं अंधी प्रवृत्तियों की पोशाकें जिनमें फटे कपड़ों की आँखें सिली रहती हैं। मुझको इस झूठे आडम्बर से नफरत थी। इसलिए स्वेच्छा से मैंने इन आँखों पर पट्टी चढ़ा रखी थी।

(घ) प्रेम का प्रभाव एकांत भी होता है और लोक-जीवन के नाना क्षेत्रों में भी दिखाई पड़ता है। एकांत प्रभाव उस अंतर्मुख प्रेम में देखा जाता है जो प्रेमी को लोक के कार्यक्षेत्र से खींचकर केवल दो प्राणियों के एक छोटे से संसार में बंद कर देता है। उसका उठना-बैठना, चलना-फिरना, मरना-जीना, सब उसी के घेरे के भीतर होता है। वह उस घेरे के बाहर कोई प्रभाव उत्पन्न करने के उद्देश्य से कुछ भी नहीं करता। उसमें जो साहस, धीरता, दृढ़ता, कष्टसहिष्णुता आदि दिखाई देती है वह प्रेम-मार्ग के बीच प्रेमोन्याद के रूप में, लोक के बीच कर्त्तव्य के रूप में नहीं।

(ङ) सामंती व्यवस्था के ह्रास के साथ भारत की आधुनिक भाषाओं का उत्थान जुड़ा हुआ है। ये भाषाएँ सामंती व्यवस्था के ह्रास के कारण पैदा नहीं हुई, भाषाएँ पहले से थीं, उन्हें अब अपने प्रसार और विकास का अवसर मिला। संस्कृत जहाँ धर्म और साहित्य की भाषा थी, फारसी जहाँ राजभाषा थी, वहाँ उत्तर भारत के संत कवि बोलचाल की भाषाओं को माध्यम बनाकर आगे बढ़े। संस्कृत या फारसी की जगह अनेक भाषाओं के विकास से भारत की एकता टूटी नहीं, वह और दृढ़ हुई क्योंकि जनता की शिक्षा और उसका सांस्कृतिक विकास उसकी भाषा द्वारा ही संभव है। सुशिक्षित और सुसंस्कृत जनता ही एकता का सबसे बड़ा आधार है। इसीलिए जो लोग अँग्रेजी द्वारा भारत की एकता बनाए रखना चाहते हैं, वे एकता के दृढ़ आधार को नहीं समझते, वे जनता की शक्ति को नहीं पहचानते।

2. रंगमंच को दृष्टि में रखते हुए अंधेर नगरी का मूल्यांकन कीजिए। 16

3. 'ऐतिहासिक नाटकों के माध्यम से जयशंकर प्रसाद अपने समय के राष्ट्रीय-सामाजिक संदर्भों को प्रस्तुत कर रहे थे।' स्कंदगुप्त नाटक को ध्यान में रखते हुए इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

4. मोहन राकेश की नाट्य-रचना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

5. ''अंधायुग' महाभारत कथा के माध्यम से आधुनिक जीवन की विडम्बनाओं को चित्रित करता है।'' तार्किक विवेचन कीजिए। 16

6. एब्सर्ड नाटक की विशेषताओं के संदर्भ में ताँबे के कीड़े का विवेचन कीजिए। 16

7. 'तीसरे दर्जे का श्रध्देय' के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। 16

8. हजारीप्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

9. 'हिन्दी जीवनी साहित्य में 'कलम का सिपाही' एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए। 8x2=16

(क) ठकुरी बाबा

(ख) नुक्कड़ नाटक 'औरत'

(ग) रिपोर्ताज

(घ) कवि और कला चिंतक ऑक्टेवियो पॉज